A–599

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–506

सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन–02

MA JYOTISH (MAJY)

2nd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. प्राणादि मूर्त काल मानों का वर्णन करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

2. नाक्षत्र एवं सावन मान का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. दिव्यमान, प्राजापत्य, बार्हस्पत्य तथा सौर मान का वर्णन करते हुए इसके उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

4. ब्राह्म तथा पितृ मान का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

5. मन्दफल एवं शीघ्रफल संस्कार का वर्णन करें।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अहर्गण साधन की विधि लिखिए।

2. उदाहरण पूर्वक मध्यम ग्रह का आशय स्पष्ट कीजिए।

3. पंचज्या को परिभाषित कीजिए।

4. शीघ्रफल साधन विधि एवं उपयोगिता को बताइए।

5. स्पष्टग्रह के प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

6. सायनग्रह से आप क्या समझते हैं ? इसके स्वरूप का विवेचन कीजिए।

7. मन्द एवं शीघ्रफलों के धनर्णत्व का विवेचन कीजिए।

8. स्पष्टशर को परिभाषित करते हुए स्पष्ट क्रान्ति साधन विधि को लिखिए।

****